मूल्य ₹ 3/-

सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 313 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 24 दिसम्बर, 2022

राहुल मय दिखी दिल्ली

'भाजपा नफरत फैलाती है और हम मोहब्बत'

» भारत जोड़ो यात्रा को राजधानी में मिला जबरदस्त समर्थन

» बुजुर्ग, महिला, नौजवान और बच्चों ने राहुल गांधी से मिलने को दिखाया उत्साह

» दिल्ली में आश्रम, निजामुद्दीन दरगाह और महापुरुषों के समाधि स्थल पर पहुंची यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दिल्ली में प्रवेश करने के साथ ही देश की सियासत सर्द मौसम में गरमा गई। शनिवार सुबह जैसे ही बदरपुर बॉर्डर से यात्रा दिल्ली में पहुंची वैसे ही राहुल के समर्थन में जनसैलाब उमड़ गया और दिल्ली पूरी तरह राहुल मय दिखाई दी। राजधानी की सड़कों पर जिधर से यात्रा गुजरी उधर जनता की भारी भीड़ नजर आई, बुजुर्ग, महिला, नौजवान और बच्चों में राहुल से मिलने का जबरदस्त क्रेज रहा। यात्रा के दौरान राहुल गांधी आश्रम और हजरत निजामुद्दीन दरगाह पर भी पहुंचे। इसके अलावा उनका महापुरुषों के समाधि स्थल पहुंचने का कार्यक्रम तय किया गया है।

राहुल ने दिल्ली में पहुंचने के बाद भाजपा पर बड़ा हमला बोला, कहा कि आरआरएस और भाजपा देश में नफरत फैलाती है और हम मोहब्बत। उनके नफरत के बाजार में हम मोहब्बत की दुकान खोलने आए हैं। उन्होंने कहा कि देश नफरती विचारों से नहीं भारत जोड़ो की विचारधार से चलेगा। महंगाई, बेरोजगारी और जनता की समस्याएं भाजपा के एजेंडे में नहीं है। उनका काम केवल बांटने का रहा है और फूट डालो राज करो की नीति पर वो लोग हैं। राहुल के इस बयान के बाद भाजपा ने पलटवार किया है। उधर दिल्ली में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई समाधि स्थल के अलावा, राजघाट, शक्ति स्थल, वीर भूमि, शांति वन और विजय घाट भी जायेगी। तीन हजार किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा सुबह 6 बजे दिल्ली में दाखिल हुई। यात्रा में पार्टी के आला नेताओं, कलाकार, खिलाड़ियों, युवाओं के साथ सभी वर्ग और समुदाय के लोग और पार्टी के हजारों कार्यकर्ता भी शामिल हैं। बता दें कि राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से सात सितंबर को भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत की थी। आज 107 दिन में 3 हजार किमी की दूरी तय करने के बाद वे राजधानी पहुंचे हैं। यात्रा में शामिल होने को लेकर लोगों में उत्साह है। दिल्ली में सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी राहुल की यात्रा में शामिल हैं। कांग्रेस की यात्रा का 3570 किमी लक्ष्य निर्धारित है। दिल्ली समेत 13 राज्यों से होकर गुरजने वाली भारत जोड़ो यात्रा 150 दिनों में पूरी होगी।

सभी संसदीय क्षेत्र में पड़ाव

कांग्रेस ने दिल्ली में यात्रा का रोडमैप सभी सातों लोकसभा क्षेत्रों में पड़ाव का बनाया है। सभी संसदीय क्षेत्रों को राहुल गांधी पद यात्रा के जरिए कवर करेंगे। इण्डिया गेट होते हुए यात्रा लाल किला भी पहुंचेगी।

9 राज्यों को कर चुकी है कवर

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 9 राज्यों को कवर कर चुकी है। तमिलनाडु के कन्याकुमारी से यात्रा का प्रारंभ हुआ था। उसके बाद केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान व हरियाणा के रास्ते दिल्ली में दाखिल हुई है। इसके बाद यूपी होते हुए पंजाब से कश्मीर जायेगी।

बयान पर भड़की भाजपा, कहा- यात्रा में टुकड़े-टुकड़े गैंग शामिल

केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने राहुल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि टुकड़े-टुकड़े गैंग राहुल गांधी की यात्रा में शामिल है। भाजपा ने देशद्रोहियों को कभी गले नहीं लगाया है। गौरतलब है कि

भाजपा भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत से ही राहुल गांधी पर हमला करती रही है। तरह-तरह के आरोप लगा कर और कोरोना के बहाने भी यात्रा को रोकने की केन्द्र सरकारी की ओर से नाकाम कोशिश की गई। मगर राहुल ने भाजपा की शजिसों को नाकाम करते हुए कश्मीर तक यात्रा पुरी करने की बात कही।

3 हजार किमी की दूरी तय कर 107वें दिन 9 राज्यों के 46 जिलो से होकर दिल्ली आए हैं राहुल

गांधी के बोल और भारत जोड़ो की भीड़ से छूट गए भाजपा के पसीने

राहुल गांधी पप्पू हैं, राहुल राजकुमार हैं, वो अभी बच्चे हैं कि बात कहकर उनका मजाक उड़ाने वाली भाजपा आज उसी राहुल से डरी हुई दिखाई दे रही है। भाजपा सरकार को राहुल से इतना डर है कि भाजपा को उनकी यात्रा रोकने के लिए कोरोना का सहारा लेना पड़ गया, फिर भी यात्रा को रोकने में भाजपा असफल दिख रही है। 24 दिसंबर यानी आज राहुल भारत जोड़ो यात्रा लेकर 3 हजार किमी की लंबी दूरी तय करके दिल्ली पहुंच गए हैं। जहां भाजपा राहुल गांधी पर आम लोगों से दूरी अपनाने का आरोप लगाती आई है, वहीं भाजपा के इस आरोप को राहुल ने पूरी तरह गलत साबित कर दिया है। उनकी यात्रा में जनसैलाब को देख कर सर्दी के मौसम में भी भाजपा के पसीने छूट रहे हैं। यही वजह है कि राहुल पर हमला कर भाजपा यात्रा को निशाना बना रही है। यात्रा के जरिए मिल रहा जनसमर्थन राहुल की ताकत बनाता जा रहा है जो बात भाजपा को नागवार गुजर रही है। वहीं राहुल ने आरएसएस और भाजपा को नफरत का बाजार बताकर यह साबित करने का प्रयास किया है कि देश में उनकी पार्टी शांति और भाईचारे की हामी है। आज के राहुल के शब्द भाजपा को 2024 के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। उनके शब्दों ने साफ कर दिया है कि देश में वो नफरत बांटने वालों से हाथ मिलाने वाले नहीं हैं।

मां को दी प्यार की झप्पी

2 जनवरी तक विश्राम, 3 से फिर प्रस्थान

आज शाम को दिल्ली में यात्रा पूरी होने के बाद दो जनवरी तक विश्राम करेगी। तीन जनवरी से यात्रा का अगला चरण शुरू होगा। जहां से वे यूपी के गाजियाबाद के लिए प्रस्थान करेगी।

शोभा की वस्तु बनकर न रह जाए पार्टी में पद और नियुक्ति : खरगे

» अध्यक्ष बनने के बाद मल्लिकार्जुन ने संगठन की पहली बैठक में ही इरादे किए जाहिर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पदाधिकारी के कार्य का आकलन जरूरी

खरगे ने स्टीयरिंग कमेटी का हवाला देते हुए कहा कि मैंने उसमें भी ऊपर से नीचे तक संगठनात्मक जवाबदेही की बात की थी। मैं उसमें एक बात और जोड़ना चाहता हूं, प्रदर्शन की समीक्षा। ऐसा न हो कि नियुक्तियां केवल शोभा की वस्तु बनी रह जाए और पार्टी को फायदा न हो। सभी नियुक्तियों के 6-6 महीने बाद उस पदाधिकारी के कार्य का आकलन जरूर करें। आवश्यक हो तो इन नियुक्तियों की समीक्षा या पुनर्विचार भी करें। उन्होंने कहा कि अभी प्रदेशों में ब्लॉक और जिला स्तर पर नियुक्तियां होनी हैं। प्रदेश की समितियों के गठन में इस बात पर विशेष ध्यान रहे कि सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व हो जिससे हर व्यक्ति अपने आपको पार्टी से जुड़ा हुआ महसूस करे।

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संगठन की पहली ही बैठक में पदाधिकारियों के कामकाज के तौर तरीके को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी में पद और नियुक्ति शोभा की वस्तु न बनकर रह जाए और पार्टी को लाभ न हो। बदली कांग्रेस पार्टी ने तय किया है कि जिन नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, हर छह माह में उनके कामकाज की समीक्षा भी होगी। बैठक में खरगे ने कहा कि व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के आधार पर होने वाली नियुक्तियां संगठन को इस तरह से खोखला बना देती हैं कि हमें पता भी नहीं चलता। इससे सच्चे और समर्पित कार्यकर्ताओं में निराशा और उदासीनता पैदा होती है।

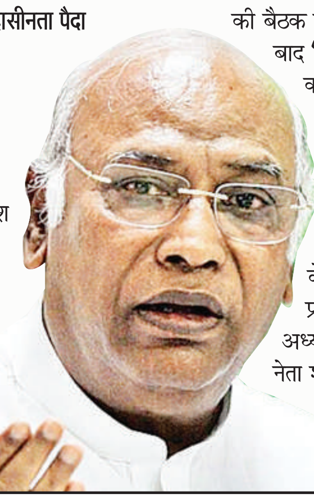

दिल्ली में कांग्रेस महासचिव, राज्यों के मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, विधानसभा में विपक्ष के नेताओं की बैठक में भारत जोड़ो यात्रा के बाद 'हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा' को लेकर तैयारी चर्चा हुई। बैठक में महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल, कोषाध्यक्ष पवन कुमार बंसल, सीएम अशोक गहलोत और भूपेश बघेल के साथ सभी राज्यों के प्रभारी, महासचिव, प्रदेश अध्यक्ष और विधायक दल के नेता शामिल हुए। खरगे ने बैठक में कहा कि लोगों को जोड़ने के लिए हर घर तक कांग्रेस अध्यक्ष और राहुल गांधी का पत्र दे सकते हैं। पत्र बांटते समय हमारे साथी उन घरों के सदस्यों की बेसिक जानकारी एकत्र करेंगे। जो बाद में पार्टी के काफी काम आएगी। कर्नाटक में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान एक जनवरी से और 26 जनवरी के बाद सभी राज्यों में लागू किया जा सकता है। बैठक में खरगे ने संसद सत्र को लेकर कहा, जनता के मुद्दों को हमने अपने स्तर पर उठाने का प्रयास किया। सरकार को हमारी बात सुननी चाहिए थी और बहस कराना चाहिए था लेकिन सदन में न नियम माने गए न प्रक्रिया का पालन हुआ।

चुनावी चाचा सपा में सिर्फ ठगा महसूस करेंगे : केशव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी में शिवपाल यादव को कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी न मिलने पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि अखिलेश अगर उन्हें सही मायने में चाचा मानेंगे, तभी कुछ देंगे। अगर उन्हें सिर्फ चुनावी चाचा समझेंगे तो शिवपाल के साथ ऐसे ही ठगी की जाएगी। केशव ने कहा कि इस तरह की चर्चा थी कि अखिलेश यादव अपने चाचा शिवपाल यादव को राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद देकर पिता मुलायम सिंह यादव से कुर्सी छीने जाने के आरोपों से बरी होंगे, लेकिन यह चुनावी चर्चा ही साबित हुई।

2024 के लोकसभा और 2027 में विधानसभा चुनाव पर डिप्टी सीएम ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि देने के लिए मैनपुरी की जनता ने उपचुनाव में उनकी बहू डिंपल यादव को जिताया। इसकी बधाई हम सभी ने उन्हें दी है। जहां तक आगे चुनाव की बात है तो चाचा साथ रहें या न रहें, चुनाव में सपा को जीत नहीं मिलेगी। डिप्टी सीएम ने पठान फिल्म को लेकर चल रहे विरोध एवं दूसरे राज्यों में विवादित दृश्य काटने की बात पर कहा कि किसी की भावनाओं को भड़काने वाला फिल्मांकन नहीं होना चाहिए।

बारिश में लुढ़का पारा उत्तर प्रदेश में बढ़ी ठंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के लखनऊ समेत कई जिलों में अचानक हल्की बारिश और बूंदाबांदी ने ठंड बढ़ा दी है। मौसम विभाग के निदेशक ने बताया कि कई दिनों से पश्चिमी हवाएं चल रही थी। हालांकि, शुक्रवार को पूर्वी हवाओं के चलने से हवा में जो नमी थी वह खत्म हो गई। इसकी वजह से बारिश के आसार बने। आने वाले दिनों में बारिश से तापमान पर कोई खास असर नहीं दिखेगा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य रहेगा।

मौसम विभाग ने क्रिसमस पर ठिठुरन बढ़ने और सर्द हवाएं चलने के आसार जताए हैं। पहाड़ों पर बर्फबारी से मैदानी इलाके में भी ठिठुरन बढ़ेगी और शीतलहर का प्रकोप भी बढ़ेगा। इस बीच 27 दिसंबर को तेज हवाओं के बीच बूंदाबांदी भी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, इस हफ्ते दिन में आसमान साफ रहेगा और धूप खिलकर निकलेगी, लेकिन शाम होते-होते गलन बढ़ जाएगी। वहीं, सर्द हवाओं से पारा तेजी से लुढ़कने की उम्मीद है। साथ ही धुंध और कोहरे से भी लोगों की मुश्किलें बढ़ेंगी। धुंध और कोहरे के कारण कई जगहों पर सुबह के वक्त विजिबिलिटी 100 मीटर से भी कम होगी।

पीएम मोदी के पहनावे पर दिए बयान को लेकर कीर्ति आजाद ने मांगी माफी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता कीर्ति आजाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहनावे पर अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने हमेशा विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के लोगों का सम्मान किया है। ट्विटर पर पूर्व लोकसभा सांसद ने कहा कि उनके हालिया ट्वीट को गलत समझा गया। इससे जिन लोगों की भावनाएं आहत हुईं। मैं उनसे माफी मांगता हूं। मुझे हमारी विविध संस्कृतियों के लिए बहुत सम्मान और गर्व है। मेरी अनजाने में की गई टिप्पणी से हुई पीड़ा के लिए मुझे खेद है। मैं अपने संवैधानिक मूल्यों को हमेशा बनाए रखने के लिए काम करने की अपनी प्रतिज्ञा दोहराता हूं। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने हमेशा विभिन्न सांस्कृतिक और जातीय पृष्ठभूमि के लोगों का सम्मान किया है और मैं तहे दिल से उन मूल्यों का समर्थन करता हूं जिनका हमारे नेता पालन करते हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में मेघालय यात्रा के दौरान वहां के खासी समुदाय की परंपरागत वेशभूषा में नजर आए थे। इसे लेकर कीर्ति आजाद ने मेघालय के पारंपरिक आदिवासी पोशाक में पीएम मोदी की एक तस्वीर पोस्ट की थी और इसकी तुलना महिलाओं की पोशाक से की थी। जिसके बाद कीर्ति लगातार विपक्ष के निशाने पर थे।

मेरा सपना पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहन हो जाएं खत्म : गडकरी

» बैंकों को पिछले पांच वर्षों में मापदंडों के प्रदर्शन के आधार पर उद्योगों की रेटिंग करनी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। फ्लेक्स ईंधन, बिजली और हाइड्रोजन सहित स्वच्छ ऊर्जा से चलने वाले वाहन खरीदने वालों को कम ब्याज दरों पर बैंकों को कर्ज देना चाहिए। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण में एक कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि यह उनका सपना था कि डीजल और पेट्रोल पर चलने वाले वाहन अगले चार से पांच वर्षों में समाप्त हो जाएं।

बैंकों को पिछले पांच वर्षों में विभिन्न मापदंडों के प्रदर्शन के आधार पर उद्योगों की रेटिंग करनी चाहिए। पैमाने पर खरे उतरने वालों को 24 घंटे में कर्ज देना चाहिए। गडकरी ने कहा कि गैर-वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बस के संचालन की लागत 39 रुपये प्रति किलोमीटर है, जबकि एसी इलेक्ट्रिक बस के लिए यह 41 रुपये प्रति किलोमीटर है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि मुझे ऐसे लोग पसंद हैं जो काम करवा सकते हैं।

शार्ट सर्किट से दुकानों में लगी भीषण आग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के विकासपुरी में भीषण आग लग गई है। आग विकासपुरी के मल्टीस्टोरी ब्लॉक की लाल मार्केट में लगी है। सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंच चुकी हैं। फायर ब्रिगेड की टीम आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटी है।

दिल्ली के विकासपुरी इलाके की डीडीए मार्केट में मल्टीस्टोरी एच ब्लॉक की मार्केट में सुबह पांच बजे एक दुकान से धुंआ उठता दिखा। देखते ही देखते मार्केट से आग की लपटें उठने लगीं। एक दुकान में लगी आग तेजी से फैली और देखते ही देखते आग ने आसपास की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। मार्केट में आग लगी देख लोगों ने अपने स्तर से इसे बुझाने की कोशिशें शुरू कर दीं और इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियां मौके पर हैं और आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटी है। बताया जाता है कि विकासपुरी के डीडीए मार्केट में कई दुकानें हैं। कई दुकानें भीषण आग की चपेट में आई हैं। आग सबसे पहले किस दुकान में लगी, क्यों लगी, इस संबंध में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, आशंका जताई जा रही है कि आग लगने का कारण शार्ट सर्किट हो सकता है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

समाजवादियों को एकजुट करने जमीन पर उतरेंगे अखिलेश यादव

» निकाय चुनाव के लिए खास रणनीति बनाने में जुटे गठबंधन दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी उपचुनाव में मिली सफलता के बाद अब समाजवादी पार्टी प्रदेश के निकाय चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। सपा का लक्ष्य इस बार के निकाय चुनाव में भी अपनी जीत का परचम लहरा कर 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए खुद को तैयार करने का है। इसके लिए सपा अब चाच शिवपाल को एक साथ लाने के बाद पार्टी में जिला स्तर पर भी व्याप्त खेमेबंदी और कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के बीच व्याप्त मनमुटाव को खत्म कर एकजुट होकर निकाय चुनाव में उतरना चाह रही है। क्योंकि पार्टी इस बात से वाकिफ है कि छोटे स्तर पर होने वाले चुनावों में व्यक्तिगत स्तर पर भी पार्टी के लोग बंट जाते हैं। ऐसे में अब खुद पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव जिलों में पार्टी में पैदा गुटबंदी को दूर करने के लिए पंचायत करेंगे। 'एकजुट सपा-एक साथ सपा' की रणनीति के तहत इस मुहिम को जल्द शुरू किया जाएगा।

सिर्फ सपा ही नहीं बल्कि सपा के साथ गठबंधन का हिस्सा रहने वाली राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) भी जमीनी स्तर पर उतर कर अपने संगठन और पार्टी को मजबूत करने का प्लान बना रही है। ताकि उपचुनाव की तरह ही निकाय चुनाव में भी सपा-रालोद गठबंधन को सफलता मिले और उसका फायदा 2024 के लोकसभा चुनावों में भी उठाया जा सके। इसी को ध्यान में रखते हुए रालोद सद्भावना मुहिम छेड़ने का ऐलान कर चुकी है। खुद चौधरी जयंत सिंह पार्टी के असर वाले वेस्ट यूपी के करीब 1500 गांवों में दस्तक देकर जनता से रूबरू होंगे। उनके सुख-दुख में शिरकत करेंगे। वहीं सपा मुखिया की रणनीति के मुताबिक वह खुद तो वर्करों का मनोबल बढ़ाने के लिए एक तरह से जिलों का दौरा शुरू कर ही चुके हैं। साथ ही उनकी राष्ट्रीय और प्रदेश स्तरीय टीम के ओहदेदारों को भी जिलों में जाकर मीटिंग करने का जिम्मा सौंपा है।

कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने को सपा ने बनाया प्लान

जमीनी स्तर पर उतर कर सपा लोगों के बीच ये संदेश देने का प्रयास करेगी कि प्रदेश में भाजपा को सिर्फ समाजवादी पार्टी ही हरा सकती है। इसीलिए भाजपा सरकार द्वारा सपा के नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार किया जा रहा है और उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। सपा के नेताओं के खिलाफ झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाकर उन्हें फंसाया जा रहा है। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव इसलिए खुद पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच जाकर उनमें जान फूंकेंगे और उनको ये उत्साह देंगे कि भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए हमें एकजुट होकर मैदान में उतरना है और कड़ी मेहनत करनी है। इसलिए इस उत्पीड़न से बचने के लिए मेहनत करो जनता को जोड़ो और बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकने में जी-जान लगा दो। इसके लिए पार्टी की रणनीति है कि वह केंद्र और प्रदेश के नेता जिलों में जाने से पहले उस जिले के संगठन की स्थिति जानेंगे। वहां अगर गुटबंदी है, तब दो या उससे अधिक गुटों को एक साथ बैठाकर गिले-शिकवे दूर कराएंगे। क्या विवाद है, क्यों विवाद है, कैसे समाप्त किया जा सकता है, इसके बारे में हाईकमान को जानकारी देंगे।

समाजवादी पार्टी निकाय चुनावों में काफी कमजोर नजर आती है। अगर पिछले निकाय चुनावों की बात करें तो 2017 में कुल 16 नगर निगम में चुनाव हुए थे। इनमें से 14 नगर निगम में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार जीत दर्ज की थी। जबकि 2 नगर निगम की सीटें बसपा के खाते में गई थीं।

अपने पिछले रिकॉर्ड में सुधार की कवायद

निकाय चुनाव में समाजवादी पार्टी इसलिए भी ज्यादा मेहनत कर रही है क्योंकि इन चुनावों में पार्टी का पिछला रिकॉर्ड उसके लिए एक चिंता की बात है। इसलिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव इन चुनावों में ज्यादा मेहनत कर यहां पर पार्टी के रिकॉर्ड को बेहतर करने के प्रयास में जुटे हुए हैं। समाजवादी पार्टी अधिकतर निकाय चुनावों में काफी कमजोर नजर आती है। अगर पिछले निकाय चुनावों की बात करें तो 2017 में कुल 16 नगर निगम में चुनाव हुए थे। इनमें से 14 नगर निगम में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार जीत दर्ज की थी। जबकि 2 नगर निगम की सीटें बसपा के खाते में गई थीं। इन दो में मेरठ और अलीगढ़ नगर निगम की सीट शामिल थी। इसमें भी मेरठ की मेयर सुनीता वर्मा बाद में सपा में शामिल हो गईं थीं। इस बार कुल 17 नगर निगम में चुनाव में होने हैं। ऐसे में समाजवादी पार्टी इस बार पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरना चाहती है, ताकि वो दमदार प्रदर्शन कर 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए खुद को एक मजबूत प्रतिद्वंदी के रूप में पेश कर सके। इसलिए अखिलेश यादव खुद जमीनी स्तर पर उतर कर पार्टी और संगठन को मजबूत करने का प्रयास करेंगे और सपा के अब तक निकाय चुनावों के प्रदर्शन को सुधारने की कोशिश करेंगे। दूसरी ओर जयंत चौधरी भी रालोद को फिर से पश्चिमी यूपी में मजबूती से खड़ा करने में लगे हैं। इसके लिए वो अपने बाब और पिता की तरह खुद जमीन पर उतर कर कार्यकर्ताओं और जनता से सीधा संवाद करेंगे और उनको अपने साथ जोड़ने का प्रयास करेंगे। सपा और रालोद का ये प्रयास रहेगा कि इस बार पश्चिमी यूपी में भाजपा का पूरी तरह से सफाया किया जा सके और बाकी प्रदेश में गठबंधन अच्छा प्रदर्शन कर जनता के बीच ये संदेश दे सके कि भाजपा को समाजवादी पार्टी ही सत्ता से हिला सकती है और हरा सकती है।

फिर साइकिल के साथ आयेंगे छूटे साथी!

चंद्रशेखर आजाद की सक्रियता को भी नए रिश्ते का माना जा रहा संकेत

लखनऊ। लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव के नतीजों से सपा के लिए उम्मीदों के साथ ही दोस्ती के भी दरवाजे खुल रहे हैं। चाचा शिवपाल यादव की पार्टी में वापसी के बाद अब विधानसभा चुनाव के पहले व बाद में छूटे साथियों के भी साइकल पर सवार होने के कयास तेज हो गए हैं। रामपुर और खतौली उपचुनाव में आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद की सक्रियता को भी नए रिश्ते का ही संकेत माना जा रहा है। सबसे पहले बात करें आजाद समाज पार्टी की इस पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद है। चंद्रशेखर आजाद उस वक्त चर्चा में आए जब उन्होंने योगी सरकार ने सहारानपुर में दलितों और सवर्णों के बीच हुए एक विवाद के जेल भेज दिया था। जिसके बाद चंद्रशेखर आजाद ने 15 मार्च 2020 को आजाद समाज पार्टी कांशीराम की स्थापना की। ये पार्टी मुस्लिन और दलित दोनों की हमदर्द इस पार्टी का वोट बैंक प्रदेश में काफी मजबूत है। और यही वजह है की अखिलेश यादव एक बार फिर इनको पार्टी गठबंधन में जगह दे सकते है।

» चंद्रशेखर ने 2020 में बनाई थी आजाद समाज पार्टी

» मुस्लिम व दलितों को साथ लाने में जुटे हैं आजाद

आपको बता दें कि बसपा में 22 प्रतिशत दलित वोट बैंक था लेकिन 2022 में ये गटकर 13 प्रतिशत ही रह गया था। इसकी वजह चंद्रशेखर आजाद की पार्टी ही है। दरअसल अब यूथ चंद्रशेखर आजाद की पार्टी के साथ जाना चाहते है। यानी चंद्रशेखर आजाद की पार्टी को 2024 में अच्छा खासा फायदा मिल सकता है और अगर समाजवादी पार्टी के साथ चंद्रशेखर आजाद की पार्टी के गठबंधन पर बात बन जाती है तो इसका सीधा फायदा अखिलेश यादव की पार्टी को मिलेगा।

केशव देव के भी तेवर बदले

विधानसभा चुनाव के बाद सपा पर उपेक्षा व धोखे का आरोप लगा गठबंधन छोड़ने वाले महान दल के केशव देव मौर्य के भी तेवर बदले हुए हैं। दावा किया है कि उन्होंने मैनपुरी में सपा उम्मीदवार डिंपल यादव के लिए प्रचार किया, जिससे शाक्य वोट सपा के पक्ष में गए। हालांकि केशव देव का कहना है कि उन्होंने अपने समाज के मुद्दे को आगे बढ़ाने के लिए उपचुनाव में समर्थन किया था। प्रचार के लिए न तो सपा ने उनसे कहा था और न ही नतीजों के बाद कोई उनसे बात हुई है। रही गठबंधन की बात तो यह तो बड़े खिलाड़ी तय करेंगे कि हमें साथ लेना है या नहीं।

इसलिए तेज हुए कयास

2022 विधान सभा चुनाव में समाजवादी ने कई दलों के साथ गठबंधन किया था लेकिन बीच राह में कई पार्टीयां अखिलेश यादव का साथ छोड़ कर चली गई थी। जिसमे चंद्रशेखर भी शामिलम थे जिन्होंने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन तोड़ दिया था। दअसल सीटों को लेकर बहस के बाद चंद्रशेखर ने गठबंधन करने से मना कर दिया था। हाल में ही खतौली व रामपुर विधानसभा उपचुनाव में उन्होंने सपा-रालोद गठबंधन का समर्थन किया था। अखिलेश व जयंत चौधरी के साथ उन्होंने मंच भी साझा किया था। खतौली की सीट रालोद भाजपा से छीनने में सफल रही। इसकी एक अहम वजह दलित वोटों को गठबंधन की ओर मुड़ना भी बताया गया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

एमसीडी में आप का जातीय संतुलन

> केजरीवाल के दल ने झाडू के निशान पर पटेल नगर वार्ड से चुनी गईं पेशे से प्रोफेसर शैली ओबेरॉय को अपना मेयर का प्रत्याशी बनाया है, जो पंजाबी समाज से आती हैं और दिल्ली में इस बिरादरी की अच्छी खासी तादाद है। डिप्टी मेयर पद के लिए मटिया महल वार्ड से पार्षद बने आले मोहम्मद इकबाल विधायक शोएब इकबाल के बेटे और मुस्लिम समाज से हैं।

दिल्ली में एमसीडी चुनाव के नतीजे आने के बाद अब मेयर के चुनाव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। इस बार यहां सबसे बड़ा दल आम आदमी पार्टी बनी है जबकि पिछले 15 साल से एमसीडी की सत्ता पर काबिज रही भाजपा पार्षदों की संख्या के मामले में दूसरे पायदान पर है। ऐसे में चुनावी नतीजों के बाद से ही संभावना जतायी जा रही थी कि इस बार मेयर अरविंद केजरीवाल की पार्टी का होगा। आप ने एमसीडी में सबसे बड़ा दल होने के नाते शुक्रवार को मेयर की संभावना के मुताबिक अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा की। महापौर के अलावा उप महापौर और नगर निगम की चार सदस्य स्थायी समिति के लिए उम्मीदवारों के नाम भी घोषित कर दिए हैं। आप ने एमसीडी की सत्ता में जातीय संतुलन का विशेष ख्याल रखा है।

एमसीडी एक्ट के तहत दिल्ली में पहले वर्ष मेयर का पद महिला के लिए आरक्षित है। केजरीवाल के दल ने झाड़ू के निशान पर पटेल नगर वार्ड से चुनी गईं पेशे से प्रोफेसर शैली ओबेरॉय को अपना मेयर का प्रत्याशी बनाया है, जो पंजाबी समाज से आती हैं और दिल्ली में इस बिरादरी की अच्छी खासी तादाद है। डिप्टी मेयर पद के लिए मटिया महल वार्ड से पार्षद बने आले मोहम्मद इकबाल विधायक शोएब इकबाल के बेटे और मुस्लिम समाज से हैं। वहीं चार सदस्य स्टैंडिंग कमेटी के लिए करावल नगर से पार्षद आमिल मलिक जाट बिरादरी से आते हैं। हरि नगर से पार्षद रमिंदर कौर सिख, सीमापुरी से पार्षद मोहिनी जीनवाल वैश्य और जंगपुरा से पार्षद सारिका चौधरी दलित समाज की हैं। बात दें कि एमसीडी में पार्षद पांच वर्ष के लिए निर्वाचित होते हैं जबकि मेयर का कार्यकाल एक वर्ष का रहता है। पांच साल में दिल्ली में पांच मेयर बनते हैं। नियम में पहली मेयर महिला को बनाने की अनिवार्यता है और तीसरे साल मेयर का पद एससी के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा बाकी दूसरे, चौथे और पांचवें साल किसी भी जाति और वर्ग का मेयर बनाया जा सकता है। इस बार एमसीडी में 250 पार्षद हैं। मेयर के चुनाव में निर्वाचित सदस्यों के अलावा 7 लोकसभा, 3 राज्यसभा और सदस्यों के अलावा 14 विधानसभा अध्यक्ष द्वारा मनोनीत विधायकों को मतदान करने का अधिकार है। दोनों सदनों के 10 सांसद और 14 विधायकों को मिलाकर कुछ सदस्यों की संख्या 274 पहुंचती है। ऐसे में बहुमत का आंकड़ा 138 बनता है जिसको छू पाना आम आमदी पार्टी के लिए मुश्किल नहीं लगता। 134 पार्षदों के अलावा उसके पास तीन राज्यसभा सदस्य और 14 विधायकों के मत हैं। सभी को मिलाकर आप की संख्या 151 पहुंचती है जो उसकी मेयर की कुर्सी पर बैठने की राह को आसान बना रही है। ऐसे में आप ने एमसीडी की सरकार के जरिए जातीय संतुलन साध कर लोकसभा चुनाव के लिए सभी वर्गों को रिझाने का दांव चला है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आइटी की तरह बढ़ता आयुर्वेदिक बाजार

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

बीते 11 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौवें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस के समापन समारोह और तीन राष्ट्रीय आयुष संस्थानों के उद्घाटन समारोह में कहा कि आयुर्वेद सिर्फ इलाज के लिए नहीं है, वह हमें जीवन जीने का तरीका सिखाता है। उन्होंने कहा कि भारत में आयुष के क्षेत्र में करीब 40 हजार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग कार्यरत हैं, जो विविध उत्पाद दे रहे हैं। इनसे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ी ताकत मिल रही है।

आठ साल पहले देश में आयुष उद्योग करीब 20 हजार करोड़ रुपये था। आज यह करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपये पहुंच रहा है। ऐसे में आगामी वर्ष 2023 से सूचना तकनीक (आइटी) की तरह भारत के आयुर्वेदिक बाजार में भी तेजी से विस्तारित होने और इसके विदेशी मुद्रा की कमाई का तेजी से बढ़ता माध्यम बनने की संतोषजनक संभावनाएं उभरती दिख रही हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि कोरोनाकाल में आयुर्वेदिक क्षेत्र की अहमियत बढ़ने के साथ-साथ आयुर्वेदिक बाजार तेजी से बढ़ा है। कोविड महामारी की चुनौतियों के बीच इस बाजार को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए सरकार प्रयासरत रही है। महामारी के वैश्विक संकट के दौरान भारत के सदियों पुरान आयुर्वेद को दुनिया भर में अपनाया गया है। भारत सरकार ने कोविड-19 से लड़ने के प्रयासों में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आयुर्वेदिक संघटकों के उपयोग की सफल रणनीति बनाकर इनका निर्यात बढ़ाया है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक कोरोनाकाल में भारत के द्वारा जिस तरह दुनिया के कई देशों को आयुर्वेदिक दवाइयों और कृषि क्षेत्र से संबंधित मसालों का निर्यात किया गया, उससे भारत ने मानव कल्याण के साथ बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई का नया अध्याय भी बनाया। पारंपरिक इलाज के तौर पर 21वीं सदी में भी पहचान बनाने में कामयाब रहे आयुर्वेद ने काफी विश्वसनीयता हासिल की है और इससे आयुर्वेदिक बाजार बढ़ा है। केंद्र सरकार आयुर्वेद सहित पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को अतिसक्रियता के साथ वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए आगे बढ़ी है। सरकार ने 50 से अधिक देशों के साथ आयुर्वेद सहित पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को आगे बढ़ाने से संबंधित अनुसंधान विकास और शिक्षण-प्रशिक्षण के विभिन्न समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि 13 नवंबर, 2020 को पांचवें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टीए ग्रेबेसस ने भारत में

पारंपरिक दवाओं के लिए एक वैश्विक केंद्र की स्थापना सुनिश्चित की है। इसका उद्देश्य विश्व के विभिन्न देशों में परंपरागत और पूरक दवाओं के अनुसंधान, प्रशिक्षण और जागरूकता को मजबूत किया जाना है। निश्चित रूप से इस समय जब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत में पारंपरिक दवाओं के वैश्विक केंद्र की स्थापना सुनिश्चित की है, तब भारत के आयुर्वेदिक दवाइयों के बाजार के बढ़ने की नयी संभावनाएं बढ़ी हैं। आयुर्वेदिक दवाइयों के बाजार को देश और दुनिया में तेजी से बढ़ाने के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। हमें मान्य तरीकों से आयुर्वेदिक दवाइयों के दस्तावेजीकरण की डगर पर आगे बढ़ना होगा। हमारे द्वारा औषधीय पौधों को रासायनिक कीटनाशकों के इस्तेमाल से पूरी तरह मुक्त रखा जाना होगा। दवाओं के निर्माण में भारी तत्वों का इस्तेमाल रोकना होगा। अब सरकार के द्वारा आयुर्वेद के नाम पर फूड प्रोडक्ट और अन्य उत्पादों का कारोबार करने वाले लोगों पर सतर्क निगाहें रखनी होंगी। सरकार द्वारा ऐसे नियम बनाये जाने होंगे ताकि फूड प्रोडक्ट की जो कंपनियां अपने ब्रांड को आयुर्वेदिक बता कर बेचती हैं, उनके दावों की जांच हो सके। यह ध्यान भी रखना जरूरी होगा कि आयुर्वेदिक आहार प्रोडक्ट की लेबलिंग, प्रेजेंटेशन और विज्ञापन में कंपनियां अनुचित रूप से यह गारंटी नहीं दे सकें कि उनका उत्पाद किसी बीमारी के पूर्णइलाज या उसे रोकने में पूरी तरह कारगर है। यह भी ध्यान रखा जाना होगा कि आयुर्वेदिक दवाएं आयुर्वेदिक पद्धति पर बनी अन्य दवाएं, मेडिसिन प्रोडक्ट और ऐसी खाद्य सामग्री जिसमें आयुर्वेदिक तत्वों का इस्तेमाल न हुआ हो, वे आयुर्वेद उत्पादों के दायरे में नहीं आ पाएं। आयुर्वेदिक प्रोडक्ट में सिर्फ नेचुरल फूड एडिटिव ही मिलाये जाएं। आयुर्वेदिक आहार में अनुपयुक्त रूप से विटामिन, मिनरल और अमीनो एसिड मिलाने की इजाजत नहीं हो। यह भी ध्यान रखा जाना होगा कि आयुर्वेदिक आहार बनाने वाली कंपनियां फूड प्रोडक्ट के पैकेट पर ऐसा कोई दावा नहीं करें, जिससे ग्राहक भ्रमित हों। कोई आयुर्वेद दवा कंपनी किसी बीमारी को रोकने का दावा करती है, तो इसके लिए सुरक्षा मापदंडों के तहत पहले प्रोडक्ट की जांच कराकर लेबलिंग की अनुमति सुनिश्चित करनी होगी। आयुर्वेदिक आहार प्रोडक्ट के पैकेट पर उपयुक्त जानकारी सुनिश्चित की जानी होगी।

धरती के लिए जैव-विविधता आवश्यक

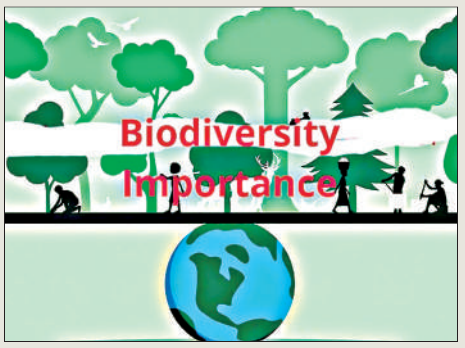

अनिल प्रकाश जोशी

कनाडा के मांट्रियल में आयोजित संयुक्त राष्ट जैव-विविधता सम्मेलन में वैश्विक जैव-विविधता कार्ययोजना पर सहमति स्वागतयोग्य एवं महत्वपूर्ण परिघटना है। इसके तहत चार लक्ष्य तथा 23 योजनाओं को निर्धारित किया गया ह। इन्हें 2030 तक हासिल करने का संकल्प लिया गया है। हमारे लिए इस बात को समझना आवश्यक है कि पृथ्वी पर जीवन को पनपाने तथा आगे बढ़ाने में सबसे अधिक और अहम भूमिका जैव-विविधता की ही मानी जाती है। हमें यह भी जानकारी होनी चाहिए कि मनुष्य जीव श्रृंखला में बहुत बाद में आया तथा मांसाहारी जीव भी बाद में अस्तित्व में आये। जीवन को लाने में आधारभूत भूमिका पेड़-पौधों ने निभायी है। समूचा जीवन चक्र पेड़-पौधों के इर्द-गिर्द ही घूमता था। मनुष्य भी कभी जंगलों में ही वास करता था। आज जब हम धरती पर जलवायु परिवर्तन, तापमान में बढ़ोतरी जैसी बेहद गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, तब यह बहुत जरूरी हो जाता है कि हम ठोस पहल कदमी करें। इस तथ्य से हम सब परिचित हैं कि जब से कथित औद्योगिक क्रांति आयी है, तब से उसने दुनिया के लगभग आधे जंगलों को लील लिया है। धरती के बढ़ते तापमान तथा प्रकृति का जो लगातार दोहन किया जा रहा है, उससे हम बहुत बड़ी संख्या में विभिन्न प्रजातियों को नष्ट कर चुके हैं, वे चाहें छोटे पौधे हों, वृक्ष हों या समुद्र में पाये जाने वाले तमाम तरह के जलचर हों। तो यह सब मसले इसी बात के चारों ओर घूमते हैं कि हमारी जैव-विविधता पर भारी संकट आ गया है। उपलब्ध आंकड़े और अध्ययन तो यही इंगित करते हैं कि एक लाख से अधिक प्रजातियों को हमने खो दिया है। उससे भी बड़ी बात यह है कि दस लाख से अधिक प्रजातियों पर किसी न किसी प्रकार का खतरा मंडरा रहा है। अभी तक हमारे पास जो जानकारी है, वह धरती पर वास कर रहे केवल एक-तिहाई जीवन की है। अभी तक तो यह शोध ही नहीं हो पाया है कि धरती पर कितने तरह के जीवन अस्तित्व में हैं। जिनकी जानकारी हमारे पास है, उनमें से हमने इतना बड़ा हिस्सा खो दिया है, तो बाकी कितने प्रकार के जीवन को खो दिया गया होगा, इसका आकलन लगा पाना संभव नहीं है।

इसलिए जैव-विविधता पर बातचीत होना, इसके लिए समुचित कोष स्थापित करना और योजनाएं बनाना एक प्रभावी कदम लगता है। लेकिन इसी के साथ सवाल यह भी है कि हमने पहले इसी से संदर्भित कितने तरह के संरक्षण उद्यान बनाये, अभ्यारण्य बने, कार्यक्रम लागू हुए, उन सबका क्या परिणाम रहा है। मनुष्य और जैव परिवेश के बारे में पहली बार दुनिया में सत्तर के दशक में बात उठी थी कि इस बारे में मनुष्य का क्या व्यवहार होना चाहिए। यह संयुक्त राष्ट्र की एक बड़ी योजना थी। आज हमारे देश में भी और दुनिया में भी कई स्थानों पर जैविक हॉटस्पॉट हैं। इन सबके बावजूद भी अगर वैश्विक स्तर पर यह चिंता उभर रही है कि जैव-विविधता संकट में है, तो हमें अब तक के उपायों, संरक्षण के प्रयासों की कमियों की समीक्षा होनी चाहिए कि हम आखिर कहां चूके। इस बात की क्या गारंटी है कि इस बार भी हमसे चूक नहीं होगी? यह ध्यान में रखा जाना चाहिए कि खेती के विकास ने सबसे अधिक जैव-विविधता को लीला है। विकासशील देशों के लिए खेती बहुत महत्वपूर्ण है, यह एक सच है। लेकिन अगर वे इसके साथ जैव-विविधता के संरक्षण पर समुचित ध्यान देते हैं और उसके लिए प्रयास करते हैं, तो इसमें कोई समस्या नहीं है। पर यह सब वास्तविकता के धरातल पर कैसे उतरता है, वह एक प्रश्न है। कोई सुदूर गांव में कोई व्यक्ति खेती से जीवन यापन करता है, तो वह कब तक इंतजार करता रहेगा कि खेती के विकल्प के रूप में उसे राशि मिले या कोई वैकल्पिक व्यवस्था हो। हम अभी तक पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने पर नियंत्रण नहीं कर पाये हैं। अगर एक सप्ताह के भीतर खेत से पराली नहीं हटायी जाती है, तो किसान अगली फसल की खेती नहीं कर सकता। जहां तक जैव-विविधता के लिए कोष बनाने की बात है, तो याद किया जाना चाहिए कि कुछ दिन पहले मिस्र में आयोजित जलवायु सम्मेलन में प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित कोष पर भी सहमति बनी है। इस कोष से उन देशों को धन दिया जायेगा, जो जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदाओं से नुकसान सहते हैं। अंतरराष्ट्रीय बैठकों में सैद्धांतिक सहमति तो बन जाती है, पर हमें यह भी देखना चाहिए कि क्या दिल्ली के वायु प्रदूषण के समाधान के लिए न्यूयॉर्क में बैठक करने की आवश्यकता है या फिर स्थानीय स्तर पर विचार होना चाहिए। प्रकृति और पर्यावरण हर गांव, राज्य और देश का विषय है। हम सबका जीवन हर तरह से प्रकृति से जुड़ा हुआ है और प्रकृति की बेहतरी में जैव-विविधता का बहुत बड़ा योगदान है। इसके संरक्षण के लिए हमारा पहला कदम यही होना चाहिए कि हम जैव-विविधता को लेकर गंभीर हों। वैश्विक तापमान में वृद्धि और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं को रोकने में यह बहुत सहायक सिद्ध होगी। हमारे देश में 21 प्रतिशत वनों का आंकड़ा बताया जाता है, पर यह वास्तव में इससे कम ही होगा। हमारी वन नीति यह निर्दिष्ट करती है कि हर राज्य में 33 प्रतिशत क्षेत्र में वन होने चाहिए हिमालयी क्षेत्र में 67 प्रतिशत वन होने का प्रावधान है। लेकिन वास्तविकता इससे बहुत दूर है।

मनाली में इन दिनों पर्यटकों की संख्या बढ़ गई है। क्रिसमस पर्व को मनाने के लिए पर्यटक काफी संख्या में मनाली पहुंच रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से मनाली में हर रोज बाहरी राज्यों से हजारों पर्यटक वाहनों से मनाली पहुंच रहे हैं।

अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है

मनाली

सर्दियों में घूमने-फिरने का अपना एक अलग ही मजा होता है। ज्यादातर लोगों को यह मौसम बेहद पसंद होता है। ठंड के इस मौसम में अक्सर लोग वेकेशन प्लान करते हैं, ताकि वह क्रिसमस और नए साल का जश्न अपने करीबियों के साथ मना सकें। दिसंबर का महीना घूमने के लिए परफेक्ट होता है। इस महीने में बड़ी संख्या में पर्यटक छुट्टियां मनाने के लिए मनाली जाते हैं। हिमालय की गोद में बसा मनाली अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। यह खूबसूरत शहर हिमाचल प्रदेश में स्थित है। अगर आप भी आने वाले दिनों में मनाली जाने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो मनाली के आसपास ये जगहें घूमने के लिए एकदम परफेक्ट हैं। हिमाचल प्रदेश पूरी दुनिया में अपनी खूबसूरती के लिए काफी मशहूर है। हर साल दुनियाभर से लोग यहां वेकेशन मनाने आते हैं। ठंड के मौसम में इस राज्य की खूबसूरती और भी ज्यादा बढ़ जाती है। हिमाचल प्रदेश की कुछ ऐसी खूबसूरत जगहें पर आप बेहतरीन तरीके से अपना नया साल सेलिब्रेट कर सकते हैं।

खज्जियार मिनी स्विट्जरलैंड

हिमाचल प्रदेश में मौजूद इस जगह को भारत का मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है। पर्वतों से घिरे इस हिल स्टेशन में मौजूद झील इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाती है। अपनी इसी खासियत की वजह से खज्जियार दिसंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है, जहां आप नए साल पर बर्फबारी भी देख सकते हैं। सेल्फी लेते समय भी फॉल्स के किनारे न जाएं। हाईकिंग के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।

ठंड में रोमांटिक लम्हें

शिमला देश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। हिमाचल में सबसे विकसित स्थानों में से एक शिमला आपके विंटर वेकेशन के लिए एक परफेक्ट जगह है। आप यहां पर भी पैराग्लाइडिंग, कैंपिंग और स्कीइंग जैसी गतिविधियों का अनुभव कर सकते हैं। खैर अपने पार्टनर के साथ ठंड में रोमांटिक लम्हों को जीने का अलग ही मजा है।

हिडिंबा देवी मंदिर

मनाली में हिडिम्बा देवी मंदिर स्थित है। स्थानीय लोगों का मां के प्रति अगाध श्रद्धा है। इसके लिए मां के दर्शन हेतु मंदिर जरूर जाएं। इस मंदिर का निर्माण सन 1553 में हुआ था, जिसे तत्कालीन राजा बहादुर सिंह ने करवाया था। यह मंदिर बेहद खूबसूरत है। मंदिर की कलाकृति अनुपम है। विंटर सीजन में बर्फबारी के बाद हिडिंबा देवी मंदिर की खूबसूरती और बढ़ जाती है।

मॉल रोड

अगर आप शॉपिंग के शौक़ीन हैं, तो मनाली में मॉल रोड को एक्सप्लोर कर सकते हैं। खासकर, विंटर सीजन में मॉल रोड पर भीड़भाड़ अधिक रहती है। इस मार्केट से आप हिमाचली शॉल और जैकेट खरीद सकते हैं। साथ ही स्थानीय जायके का भी आनंद उठा सकते हैं। बड़ी संख्या में पर्यटक विंटर सीजन में मनाली घूमने आते हैं। आप भी अपने दोस्तों के साथ मनाली जरूर जाएं। आप अपने दोस्तों के साथ जोगिनी फॉल्स देखने जा सकते हैं। वहीं, मनाली स्थित मॉल रोड शॉपिंग के लिए जा सकते हैं।

हंसना मना है

पति और पत्नी का जोरदार झगड़ा होता है। पति गुस्से से: तेरी जैसी 50 मिलेंगी। पत्नी हंसके: अभी भी मेरी जैसी ही चाहिए!

लड़की वाले बेटी के लिए लड़का देखने गए, लड़की वाले: कितना कमा लेते हो? लड़का: इस महीने दो करोड़ कमाया। लड़की वाले: फिर क्या हुआ? लड़का- बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हेंग हो गया, और सारी कमाई चली गयी।

टीचर: मैं दो वाक्य दूंगा उसमें आपको अंतर बताना है। पहला वाक्य: उसने बर्तन धोए। दूसरा वाक्य: उसे बर्तन धोने पड़े। पप्पू : पहले वाक्य में कर्ता अविवाहित है। और दूसरे वाक्य में कर्ता विवाहित है।

लड़का: मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूं, लड़की का बाप: कितना कमा लेते हो। लड़का: 19000 हजार महीना। लड़की का बाप: 15000 मै अपनी बेटी को पाकेट मनी देता हूं। लड़का- वो मिलाके के ही बोल रहा हूं अंकल।

पत्नी: हमेशा मेरा आधा माथा दुखता है, लगता है डॉक्टर को दिखाना पड़ेगा.. पति: अरे उसमे डॉक्टर को क्या बताना ! वो तो जितना है उतना दुखेगा ही। बस तब से ही पति का पूरा बदन दु:ख रहा है।

कहानी | हंस और मूर्ख कछुआ

एक जंगल के बीचों-बीच एक तलाब था, जहां जानवर आकर अपनी प्यास बुझाया करते थे। उसी तालाब में एक कछुआ भी रहता था। वह फालतू की बातें बहुत करता था, इसलिए सभी जानवरों ने उसका नाम बातूनी कछुआ रखा हुआ था, लेकिन दो हंस उसके बहुत अच्छे दोस्त थे, जो हमेशा उसका भला चाहते थे। एक बार गर्मी के मौसम में तालाब का पानी धीरे-धीरे सूखने लगा। जानवर पानी पीने के लिए तरसने लगे। यह देखकर हंसों ने कछुए से कहा कि इस तालाब का पानी कम हो रहा है और हो सकता है कि यह बहुत जल्दी सूख जाए। तुम्हें यह तालाब छोड़कर कहीं और चले जाना चाहिए। इस पर कछुए ने कहा कि मैं यह तालाब छोड़कर कैसे जा सकता हूं और यहां आसपास कोई तालाब भी नहीं है, लेकिन हंस अपने दोस्त का भला चाहते थे। दोनों हंसों ने कहा कि हम एक लकड़ी लेकर आते हैं, तुम अपने मुंह से उसे बीच में से पकड़ लेना और लकड़ी का एक-एक सिरा हम दोनों पकड़कर तुम्हें यहां से दूर एक बड़े तालाब में ले जाएंगे। उस तलाब में बहुत सारा पानी है और वो कभी नहीं सूखता। कछुआ उनकी बात मान गया और हंसों के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। उड़ने से पहले हंसों ने उसे चेतावनी दी कि वह रास्ते में कुछ भी न बोले। जब हम बड़े तालाब पर पहुंच जाएंगे, तब ही उसे जो बोलना है बोल सकता है। कछुए ने हां में उत्तर दिया और लकड़ी को पकड़ लिया। वो उड़ते हुए एक गांव के ऊपर से निकले। गांव वालों ने ऐसा पहली बार देखा था। सभी तालियां बजाने लगे। यह देखकर कछुए से रहा नहीं गया और बोला कि नीचे क्या हो रहा है? जैसे ही उसने बोलने के लिए मुंह खोला उसके मुंह से लकड़ी छूट गई और वो नीचे गिर गया। ऊंचाई से नीचे गिरने की वजह से कछुआ मर गया और हंस अफसोस करते हुए वहां से चले गए।

7 अंतर खोजें

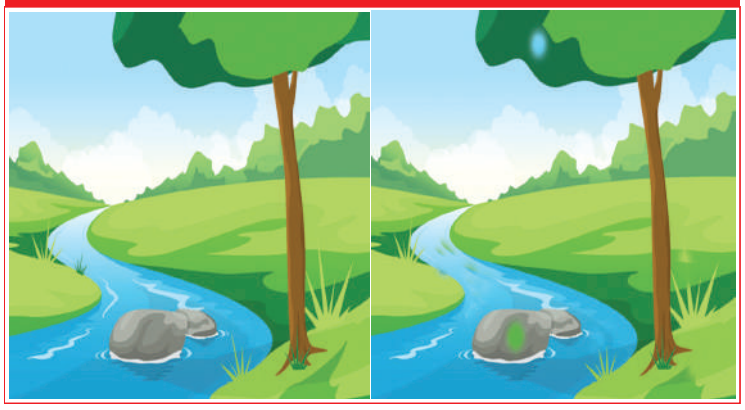

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आपके लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। प्रिय के साथ वक्त गुजारेंगे। दांपत्य जीवन जीने वालों को भी प्रेम और रोमांस के अवसर मिलेंगे।

वृषभ
आज शिक्षा के क्षेत्र में आपको सफलता मिलने की प्रबल संभावना है। आपके बच्चों की प्रगति देखकर आपकी खुशी बढ़ जाएगी। सड़क पर बेक़ाबू गाड़ी न चलाएं।

मिथुन
आप परिवार के साथ किसी काम में व्यस्त रह सकते हैं। ऑफिस में आपको कोई बड़ा काम निपटाने की जिम्मेदारी मिल सकती है। आपको अपने गुस्से पर कंट्रोल करना चाहिए।

कर्क
आपके लिए आज का दिन तनाव से भरा रहने वाला है। अच्छा भोजन करेंगे। दोस्तों के साथ मौज मस्ती का अवसर मिलेगा। दांपत्य जीवन में खुशहाल समय रहेगा।

सिंह
आपको सच्चा प्यार मिलने की पूरी पूरी संभावना है। आपको किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का अवसर मिलेगा, जिससे आप अपने प्रयासों से धन अर्जित कर सकते हैं।

कन्या
आपका दिन शानदार रहेगा। आपकी कला के क्षेत्र में रूचि बढ़ेगी। परिवार में खुशियों का माहौल बना रहेगा। दोस्तों के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बनायेंगे।

तुला
आपके लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आपकी इनकम में जबरदस्त बढ़ोतरी होगी जिससे आपका मन हर्षित होगा। आपके कामों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक
आज आपकी आमदनी में जबरदस्त इजाफा होगा। बेहतर कार्य सही समय पर होने वाला है। कुछ नया करने का प्रयत्न होने वाला है। आवश्यक चीजों की प्राप्ति होने वाली है।

धनु
आपका दिन उत्तम रहेगा। किसी मित्र की मदद से आपके काम बनेंगे। अपने कॉन्फिडेंस के दम पर आप लगभग हर काम में सफल होंगे।

मकर
आपके लिए आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। कुछ नए विषयों पर काम करेंगे। दांपत्य जीवन के लिहाज से दिन बढ़िया रहेगा और आप जीवनसाथी से प्रेम जताएंगे।

कुम्भ
आज आपका मन चलायमान रहेगा। सरकारी लाभ मिलने की संभावना है। विवाहित लोग जीवनसाथी के साथ हुए झगड़े से बोझिल महसूस करेंगे लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा।

मीन
आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। ऑफिस में अपने काम की प्रशंसा के लिये आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। व्यापारी वर्ग को धन लाभ के मौके मिल सकते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

लंबाई मुझे खिलाती थी स्कूल में मार : अमिताभ

कौन बनेगा करोड़पति के मंच पर अमिताभ बच्चन अपनी लाइफ के अनकहे किस्से शेयर करते रहते हैं। कई बार ये कहानियां फैंस को भावुक करती हैं। वहीं कई बार बिग बी की बातें सुनकर लोग ठहाके लगाने पर मजबूर हो जाते हैं। इस दफा बच्चन साहब ने उनकी हाइट को लेकर दिलचस्प बात शेयर की। केबीसी के लेटेस्ट एपिसोड में महानायक अपने स्कूल के दिनों की यादें शेयर करते नजर आए। इन बातों की शुरुआत हुई कंटेस्टेंट काशवी शर्मा से। फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट राउंड जीतकर काशवी को हॉट सीट पर बैठने का मौका मिला। काशवी के बारे में बात करते हुए बिग बी ने स्क्रीन पर उनका रिपोर्ट कार्ड दिखाया। कार्ड देखते ही काशवी बोलीं कि उन्हें अपनी कम हाइट पसंद नहीं है। हाइट की बात छिड़ी थी, तो बिग बी को भी अपने बीते दिन याद आ गए। बच्चन साहब बताते हैं, उन्हें स्कूल में हाइट की वजह से स्कूल में कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। वो बताते हैं, हमारे स्कूल में बॉक्सिंग करना जरूरी था। लंबी हाइट की वजह से मुझे सीनियर्स में शामिल कर दिया गया था। मैं स्कूल में खूब मार खाता था, क्योंकि मैं लंबा था। टीलीविजन का पॉपुलर क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति अपने अंतिम पड़ाव पर है। कौन बनेगा करोड़पति की शुरुआत 7 अगस्त को हुई थी। देखते ही देखते ये शो अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुका है। 30 दिसंबर 2022 को केबीसी का आखिरी एपिसोड दिखाया जाएगा। फैंस के साथ-साथ बिग बी के लिये भी ये इमोशनल पल होने वाला है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये अमिताभ बच्चन शो को लेकर अपनी फीलिंग्स भी बयां कर चुके हैं। इस शो से अधिकतर लोग बिग बी की वजह से जुड़े हुए हैं। केबीसी के हर एपिसोड में महानायक ना सिर्फ लोगों को अच्छा खेलने के लिए मोटिवेट करते हैं, बल्कि कई दिलचस्प स्टोरीज भी शेयर करते हैं।

रिलीज होते ही लीक हुई रणवीर सिंह की सर्कस

रोहित शेट्ठी के निर्देशन में बनी फिल्म सर्कस 23 दिसंबर यानी शुक्रवार को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से रणवीर सिंह के चाहने वाले इस फिल्म के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। इस फिल्म में रणवीर डबल रोल में नजर आ रहे हैं। खैर, अब फिल्म की रिलीज के साथ ही मेकर्स के लिए एक बुरी खबर भी सामने आई है। कहा जा रहा है कि फिल्म ऑनलाइन लीक हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सर्कस रिलीज होने के कुछ घंटों बाद ही

बॉलीवुड | मसाला

तमिलरॉकर्स जैसी वेब साइट्स पर एमडी प्रिंट में लीक कर दी गई है। बता दें कि ये ऐसी वेब साइट्स हैं, जहां बॉलीवुड, साउथ इंडियन और हॉलीवुड की भी फिल्में लीक हो चुकी हैं। कुछ दिन पहले ही हालिया रिलीज जेम्स कैमरून की फिल्म अवतार 2 भी ऑनलाइन लीक हुई थी। अब

सर्कस के लीक होने की खबर इसके मेकर्स के लिए वाकई परेशानी का कारण बन सकती है। मल्टीस्टारर फिल्म सर्कस के ऑनलाइन लीक होने का खामियाजा इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर देखने को मिल सकता है। अब फिल्म को सिनेमाघरों में जाकर देखने की बजाय कई लोग इसे अपने घरों में ही बैठकर इसे ऑनलाइन देखने का लुत्फ उठा रहे हैं। अब बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर इसकी कितना असर दिखेगा, तो कमाई के आंकड़े सामने आने के बाद ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

बता दें कि सर्कस में रणवीर के साथ जैकलीन फर्नांडीज, पूजा हेगड़े, वरुण शर्मा, संजय मिश्रा और जॉनी लीवर जैसे सितारे भी अहम किरदारों में दिखाई दे रहे हैं। वहीं, इसमें दीपिका पादुकोण को कैमियो रोल में भी देखा जाए रहा है। गौरतलब है कि ये फिल्म विलियम शेक्सपियर के नाटक द कॉमेडी ऑफ एरर्स पर आधारित है।

विराट से पाखी की दोबारा शादी, सई का फिर टूटेगा दिल

स्टार प्लस का धमाकेदार सीरियल गुम है किसी के प्यार में लगातार दर्शकों का दिल जीत रहा है। शो में आने वाले ट्विस्ट एंड टर्न लोगों का खूब मनोरंजन कर रहे हैं। नील भट्ट, ऐश्वर्या शर्मा स्टारर पॉपुलर शो की कहानी एक नए मोड़ पर है। जहां पत्रलेखा-विराट फिर एक हो जाएंगे। वहीं सई फिर अकेली हो जाएगी। जबकि आने वाले एपिसोड में आप देखेंगे कैसे अतीत के कई राज सामने आएंगे।

गुम है किसी के प्यार में विराट बीती बातें भुलाकर पत्रलेखा संग नई जिंदगी की शुरुआत करने के लिए कहेगा। ऐसे में पत्रलेखा भी उससे वादा लेगी कि वह उसे अपनी पत्नी का दर्जा देगा। पाखी की बात मानकर विराट

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

उसका हाथ पकड़कर सात फेरे लेगा और कहेगा कि मैं वचन देता हूं कि आज से, अभी से और इस पल से मैं तुम्हें अपनी पत्नी और अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार करता हूं। वहीं सई ये सब देखकर टूट जाती है। आने वाले एपिसोड में आप देखेंगे कि पत्रलेखा खंडाला से सई को वीडियो कॉल करेगी और उसे थैंक्यू कहेगी। वहीं जब सई उससे थैंक्यू का कारण पूछेगी तो वह जवाब देगी, तुमने मुझे बचाया न होता तो आज मैं अपनी जंदगी का सबसे खूबसूरत और हसीन पल नहीं जी पाती। वहीं सई ऐसा दिखाएगी कि उसे इन सबसे कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। शो में आगे दिखाया जाएगा कि खंडाला में विराट को एक कपल मिलेगा, जो उसे गढ़चिरौली जाने वाली बस के साथ हुए हादसे के बारे में बताएगा। वहीं इस राज के खुलते ही हनीमून पर भी पत्रलेखा इग्नोर की जाएगी और अपने बच्चे की तलाश में सई, विराट एक हो जाएंगे।

अजब-गजब | बिहार की रहस्यमयी गुफा

दूसरे छोर का आज तक नहीं चल सका पता

दुनिया में कई रहस्यमयी जगहें पाई जाती हैं जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। कई बार इन रहस्यमयी जगहों के बारे में जानने के बाद यकीन करना मुश्किल होता है। वैज्ञानिकों ने कई रहस्यों से पर्दा उठा दिया है, लेकिन अभी तक कई रहस्य आज भी राज हैं। पृथ्वी पर कई ऐसे रहस्यमयी जंगल, पहाड़, नदी, द्वीप और गुफाएं हैं जिनके रहस्यों को अभी तक सुलझाना बाकी है। कई जगहें अदृश्य शक्तियों, तो कुछ स्थान भूतों की वजह से रहस्यमयी बन गए हैं। आज हम आपको एक ऐसी ही जगह के बारे में बताएंगे।

बिहार में एक रहस्यमयी गुफा है जिसके बारे में जानने के बाद लोगों को यकीन नहीं होता है। बिहार के मुंगेर जिले में एक रहस्यमयी गुफा स्थित है जिसके रहस्य से आज तक कोई पर्दा नहीं उठा पाया है। यह गुफा आज भी लोगों के लिए रहस्य है। आइए जानते हैं इस रहस्यमयी गुफा के बारे में।

अक्सर आपने देखा होगा कि किसी गुफा में एक छोर से अंदर जाते हैं और दूसरी छोर से बाहर निकल जाते हैं। लेकिन बिहार के मुंगेर जिले में स्थित इस रहस्यमयी गुफा में अंदर के जाने के लिए रास्ता तो है, लेकिन बाहर निकलने के लिए दूसरे छोर का आज तक कोई नहीं पता लगा पाया है। बताया जाता है कि आज भी लोग इस गुफा के दूसरे छोर के बारे में जानने की कोशिश कर रहे हैं। यह गुफा 250 साल पुरानी है जिसका इतिहास रोचक है। गुफा जहां पर स्थित है वह एक पार्क है। श्रीकृष्ण वाटिका में यह गुफा मीर कासिम की है।

बताया जाता है कि नवाब मीर कासिम ने मुंगेर में गंगा नदी के कष्टहरणी घाट किनारे सन 1760 ई. में गुप्त गुफा बनवाया था। अंग्रेजों के हमले से बचने के लिए इस गुफा का निर्माण किया गया था जिसका एक छोर आज भी सुरक्षित नजर आता है। गुफा के दूसरे छोर को लेकर कई तरह की बातें की जाती है। लोग बताते हैं कि गुफा का दूसरा छोर मुंगेर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र की पीर पहाड़ी के पास स्थित है। हालांकि इस बात की कोई पुष्टि नहीं की जा सकेगी।

ईस्ट इंडिया कंपनी का नवाब मीर कासिम 1760 में मुंगेर पहुंचा। इसके बाद उसने बंगाल की राजधानी मुर्शिदाबाद को मुंगेर में शिफ्ट कर दी। कुछ इतिहासकारों का कहना है कि मीर कासिम 1764 तक मुंगेर में रहा। उसने मुंगेर और अपने आपको सुरक्षित रखने के लिए शहर को किले में बदल दिया।

'विंटर सॉल्सटिस' इस दिन के बाद क्यों बढ़ जाती है ठंड

22 दिसंबर यानी सबसे छोटा दिन है। हर साल सबसे छोटा दिन और सबसे लंबी रात होती है। सबसे बड़ी बात यह है कि सबसे छोटा दिन हर साल बदलता रहता है। बीते साल 21 दिसंबर को सबसे छोटा दिन और सबसे लंबी रात थी। धरती पर सबसे छोटे दिन को विंटर सॉल्सटिस भी कहा जाता है। आज के दिन धरती झुके हुए अक्ष पर घूमती है जिसकी वजह है कि यह दिन सबसे छोटा दिन होता है। 22 दिसंबर का दिन सिर्फ 10 घंटे 41 मिनट का रहा जबकि रात 13 घंटे 19 मिनट की रही। सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक के समय को दिन कहते हैं। इस दौरान सूर्य अपने निर्धारित समय से पहले ही अस्त हो जाता है। दुनिया के हर देश में ऐसा नहीं होता है। यह एक खगोलीय घटना है जो सिर्फ उत्तरी गोलार्ध के देशों में घटती है, जबकि दक्षिणी गोलार्ध के देशों में इसके विपरित होता है और वहां पर सबसे बड़ा दिन होता है। आइए जानते हैं कि आखिर इसके पीछे की पूरी कहानी क्या है... साल के सबसे छोटे दिन को विंटर सॉल्सटिस भी कहा जाता है। सॉल्सटिस एक लैटिन शब्द है जो सोल्स्टिम से बना है। लैटिन शब्द सोल का अर्थ होता है सूर्य, तो वहीं सेस्टेयर का मतलब होता है स्थिर खड़ा रहना। इन दोनों शब्दों को मिलाने के बाद सॉल्सटिस शब्द बना है जिसका अर्थ होता है सूर्य का स्थिर रहना। इस दिन धरती झुके अक्ष पर घूमती है। इसके कारण साल का सबसे छोटा दिन और सबसे लंबी रात होती है। धरती की स्थित के कारण दक्षिणी गोलार्ध में इस दौरान सबसे बड़ा दिन होता है, तो दूसरे इलाके में सबसे छोटा दिन। दूसरे ग्रहों की तरह धरती भी 23.5 डिग्री पर झुकी हुई है। झुके हुए अक्ष पर धरती के घूमने से सूर्य की किरणें एक जगह अधिक और दूसरी जगह कम पड़ती हैं। विंटर सॉल्सटिस के दौरान दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य की किरणें ज्यादा पड़ती हैं, जबकि उत्तरी गोलार्ध में कम। यही वजह है कि उत्तरी गोलार्ध में दिन छोटा होता है और रात लंबी। दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य सबसे ज्यादा देर तक रहता है और इस इलाके में स्थित देशों में इस दौरान सबसे बड़ा दिन होता है। अर्जेंटिना, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में इस दिन से गर्मी शुरू हो जाती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, 22 दिसंबर को सूरज कर्क रेखा की ओर से मकर रेखा की यानी उत्तरायण से दक्षिणायन की तरफ आता है। इस दिन से पहाड़ों पर बर्फबारी बढ़ जाती है और मैदानी इलाकों में ठंड अधिक पड़ने लगती है।

दिल्ली में पांच डिग्री पर पहुंचा न्यूनतम तापमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज सुबह अधिकतम तापमान गिरकर 20 डिग्री तक आ गया है जबकि न्यूनतम पांच डिग्री पर पहुंच गया है। राजधानी में जिस तरह से तापमान में गिरावट हो रही है उससे साफ लग रहा है कि आने वाले दिन मुश्किल भरे होंगे। दिल्ली में शुक्रवार को सुबह साढ़े पांच बजे पालम में 200 मीटर और सफदरजंग में 500 मीटर की न्यूनतम दृश्यता के साथ मध्यम कोहरा दर्ज किया गया।

सुबह साढ़े आठ बजे तक पालम और सफदरजंग दोनों जगहों पर न्यूनतम दृश्यता 200 मीटर थी। मौसम विभाग की माने तो अगले पांच दिनों तक देश के पांच राज्यों में शीतलहर का प्रकोप रहेगा। क्रिसमस से शीतलहर का प्रकोप देखने को मिल सकता है। इन राज्यों में पूर्वी उत्तर प्रदेश, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, बिहार शामिल हैं।

उत्तर भारत में रहेगा घना कोहरा

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले पांच दिनों तक दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। उत्तर-पश्चिम भारत, विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली व यूपी और इससे सटे पूर्वी भारत के राज्य बिहार और झारखंड में स्थिति खराब हो सकती है। घने कोहरे के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित होगी। इसी तरह, अगले तीन दिनों तक पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई गई है।

दर्शन करके लौट रहे श्रद्धालुओं की वैन पलटी, आठ की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल-तमिलनाडु बॉर्डर के पास शुक्रवार देर रात दर्दनाक हादसा हुआ। यहां कुमिली के पास सबरीमला तीर्थयात्रियों को ले जा रही वैन के पलट जाने से 8 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। हादसे में दो अन्य यात्रियों की हालत भी गंभीर है।

बताया जा रहा है कि वैन के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे वैन पलट गई। घटना रात करीब 11 बजे की है। सभी तीर्थयात्री थेनी-एंडिपेट्टी के मूल निवासी थे और सबरीमला दर्शन करके लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि दर्शनार्थी सबरीमाला श्री धर्म संस्था मंदिर में भगवान अयप्पा के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। घटना कुमिली-कुंबम मार्ग पर तमिलनाडु को पानी पहुंचाने वाले पहले पेनस्टॉक पाइप के पास हुई। वैन सड़क से करीब 40 फीट नीचे खाई में जा गिरी। पुलिस के अनुसार वैन काफी तेज गति से चल रही थी।

सबरीमला तीर्थयात्रा का मौसम अपने चरम पर है, पहाड़ी की चोटी पर एक दिन में लगभग 1 लाख तीर्थयात्री दर्शन करने पहुंच रहे हैं। केंद्रीय विदेश और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने इस त्रासदी में अपने प्रियजनों को खोने वाले पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुरलीधरन ने ट्वीट किया, 'इडुक्की में एक दुर्घटना में सबरीमाला तीर्थयात्रियों के निधन से गहरा दुख हुआ। शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना। घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।'

भाजपा विधायक की कार पुल से नीचे गिरी, दो जख्मी

पुणे। महाराष्ट्र में भाजपा विधायक जयकुमार गोरे सड़क हादसे का शिकार हो गए हैं। सतारा जिले के फलटन में भाजपा विधायक की कार पुल से नीचे गिर गई है। हादसे में विधायक बुरी तरह जख्मी हो गए हैं। हादसे में गोरे के अलावा तीन अन्य लोग भी जख्मी हो गए हैं। घायलों में गोरे का बॉडीगार्ड और ड्राइवर शामिल हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये हादसा शनिवार तड़के हुआ है। कार चालक ने अचानक वाहन से अपना नियंत्रण खो दिया। कार लोनंद-फलटन रोड से दूर पुल से 30 फीट नीचे गिर गई। पुलिस ने हादसे में गोरे के अलावा तीन अन्य घायल हुए हैं। गोरे को पुणे के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाकी घायलों का दूसरे अस्पताल में इलाज चल रहा है।

क्रिसमस पर न होने पाएं धर्मांतरण की घटनाएं : सीएम योगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में क्रिसमस के मौके पर धर्मांतरण की घटनाएं नहीं होनी चाहिए। उन्होंने गृह विभाग और पुलिस के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 25 दिसंबर को क्रिसमस के त्योहार को सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की व्यवस्था की जाए। कहा कि अगर कहीं भी धर्मांतरण हुआ तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही होगी। सीएम के निर्देश के बाद पुलिस और प्रशासनिक अमला सतर्क हो गया है और चर्चों में होने वाले कार्यक्रमों के बारे में जानकारी जुटाने में जुट गया है।

करोड़ों रुपये हड़पने की आरोपी भाजपा नेत्री सुभद्रा गुप्ता गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिजनौर के व्यापारियों से 1.38 करोड़ रुपये हड़पने के आरोप में शाहपुर पुलिस ने भाजपा नेत्री सुभद्रा नंद गुप्ता व उनके बेटे मोहित गुप्ता को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पेट्रोल पंप, नौकरी दिलाने व डिजिटल राशन कार्ड केंद्र दिलवाने के नाम पर रुपये हड़पे हैं।

आरोप है कि रुपये वापस मांगने पर दोनों ने जान से मारने की धमकी भी दी थी। पुलिस ने तीन व्यापारियों की तहरीर पर अलग-अलग केस दर्ज कर शुक्रवार को दोनों को गिरफ्तार कर लिया। खबर है कि गिरोह में कई अन्य लोग भी शामिल हैं, जिनकी तलाश में पुलिस टीमें लगी है। दोनों आरोपी नंदानगर निवासी है। सुभद्रा नंद गुप्ता भाजपा महिला मोर्चा की मालवीय नगर की मंडल अध्यक्ष है।

बिजनौर जिले के नजीबाबाद थानाक्षेत्र के सुभाषनगर कॉलोनी निवासी जसराम सिंह ने शुक्रवार को शाहपुर पुलिस को तहरीर दी। आरोप लगाया कि नंदानगर निवासी मोहित गुप्ता की शादी बिजनौर जिले में हुई है। उसकी पत्नी मेरी बेटी की सहेली है। घर आते-जाते जान पहचान होने पर मोहित ने पेट्रोल पंप दिलाने का झांसा देकर अपने खाते में 63.71 लाख

रुपये जमा करा लिए। इसके अलावा बिजनौर के हल्दौर थानाक्षेत्र स्थित हरदासपुर गढ़ी गांव निवासी प्रदीप कुमार से डिजिटल राशन कार्ड की एजेंसी दिलाने के नाम पर 66.25 लाख व किरतपुर थानाक्षेत्र के गंगावाला गांव निवासी अंकित कुमार ने क्लर्क की नौकरी दिलाने के नाम पर 8.53 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। आरोप है कि रुपये वापस मांगने पर मोहित ने यह कहते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा कि उसकी मां भाजपा महिला मोर्चा की नेता है। पुलिस से शिकायत करने पर कुछ नहीं होगा। मोहित का साथी आजमगढ़ जिले का रहने वाला बच्चा सिंह भी फोन करके जान से मारने की धमकी दे रहा है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

17 दिवसीय यूपी महोत्सव की आज से शुरुआत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के तत्वावधान में 24 दिसंबर से 9 जनवरी 2023 तक 15वें यूपी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। 17 दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव की थीम 'आत्मनिर्भर भारत के 21वीं सदी का विकसित उप्र' है। महोत्सव का आयोजन शहर के अलीगंज इलाके में सेक्टर ओ पोस्टल ग्राउण्ड, केंद्रीय विद्यालय के सामने कोविड-19 के नियमों के तहत किया जाएगा। इस बात की जानकारी प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने महोत्सव स्थल पर आयोजित एक प्रेसवार्ता में दी।

विनोद कुमार सिंह ने बताया कि यूपी महोत्सव का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, गौ-संरक्षण, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, औद्योगिक मिशन, औषधि, पौध, महिला सशक्तिकरण,जनसंख्या वृद्धि उन्मूलन, आदिवासी विकलांगता, प्लास्टिक हटाओ, एक जिला एक उत्पाद, हैण्डीक्राफ्ट्स-खादी ग्रामोद्योग, नाबार्ड-सूडा-डूडा द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के साथ ऐतिहासिक, धार्मिक, खेलों, कला-संस्कृति और साहित्य का संरक्षण और संवर्धन करना है।

रिलीज से पहले ही 200 करोड़ में बिक गए पठान के ओटीटी राइट्स

बेशरम रंग गाने में भगवा रंग की बिकिनी पर हिंदू संगठनों ने खड़ा किया है विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान और अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही है। पठान सिनेमाघरों में आगामी 25 जनवरी को दस्तक देगी, लेकिन उससे पहले ही यह अपने गानों को लेकर विवादों में घिर चुकी है। इस बीच पठान को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। रिलीज से पहले ही पठान के ओटीटी राइट्स करोड़ों में बिक गए हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार पठान मार्च महीने के अंत या अप्रैल के शुरुआत में ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज हो सकती है। फिलहाल फिल्म के ओटीटी रिलीज को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन खबरें हैं कि इसके डिजिटल

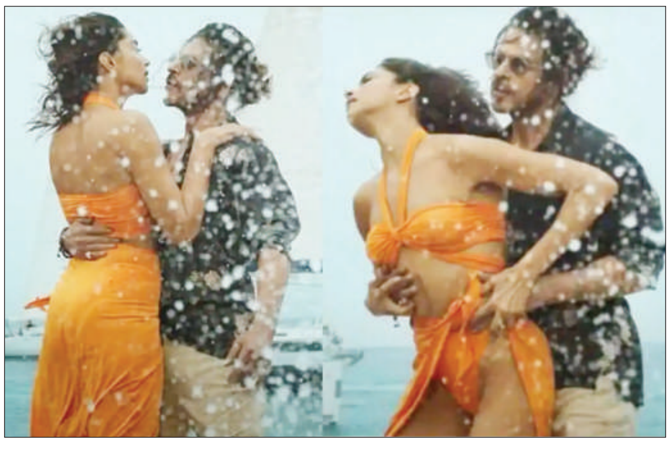

स्ट्रीमिंग राइट्स को ग्लोबल ओटीटी अमेजन प्राइम वीडियो ने 200 करोड़ रुपये में रिजर्व किया है। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान पर विवाद गहराता जा रहा है। फिल्म के गाने बेशरम रंग में दीपिका की बिकिनी का भगवा रंग संत समाज सहित राज नेताओं को रास नहीं आ रहा है। एक तरफ जहां लोग इसका विरोध कर रहे हैं तो दूसरी तरफ कुछ इसके समर्थन में भी आए हैं।

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान के रिलीज होने का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पठान 250 करोड़ के बड़े बजट में बनाई गई है और फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। इससे पहले बॉलीवुड की जिन फिल्मों पर विवाद हुए हैं, उन्होंने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई की है। अब देखना यह होगा की पठान को इस विवाद का कितना फायदा मिलेगा।

सेवा सुरक्षा सर्वोपरि
ALERT MULTI SOLUTION
ALERT
MULTI SOLUTION
सेवा सुरक्षा सर्वोपरि
Office: 1/729, Vardan Khand, Gomti Nagar Ext., Lucknow-10
Contact : 9792599999, 9792780099

क्रिसमस का जश्न रंग-बिरंगी झालरों से जगमग हजरतगंज का कैथोलिक चर्च। सड़क से लेकर शॉपिंग मॉल तक सेंटा के रंग में रंगे लोग। तो वहीं प्राथमिक विद्यालय के छात्रों ने चिड़ियाघर की सैर-सपाटा कर की मस्ती।

निकाय चुनाव आरक्षण पर हाई कोर्ट में सुनवाई जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण लागू किए जाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में सुनवाई अभी भी जारी है। आज याची पक्ष व सरकारी पक्ष के वकील ने दलीलें दी। मामले की सुनवाई दोपहर के भोजन के बाद भी जारी रहेगी। शुक्रवार को समय की कमी के कारण सुनवाई पूरी नहीं हो सकी थी। न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की खंडपीठ में बीते बुधवार को सुनवाई के दौरान याचियों की ओर से दलील दी गई थी कि निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण एक प्रकार का राजनीतिक आरक्षण है।

ओबीसी आरक्षण तय किए जाने से पहले सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई व्यवस्था के तहत डेडिकेटेड कमेटी द्वारा ट्रिपल टेस्ट कराना अनिवार्य है। वहीं, राज्य सरकार ने हलफनामे में कहा है कि स्थानीय निकाय चुनाव मामले में 2017 में हुए ओबीसी के सर्वे को आरक्षण का आधार माना जाए।

अवकाश में भी खुले हैं अदालत के कपाट

शुक्रवार को भी निकाय चुनाव पर सुनवाई हुई थी, मगर समय की कमी के कारण सुनवाई पूरी नहीं हो सकी थी। जिसके चलते आज अवकाश के दिन भी मामले की सुनवाई की जा रही है। दरअसल, शीतकालीन अवकाश को देखते हुए कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट के मुख्य न्यायमूर्ति या वरिष्ठ न्यायाधीश से जरूरी अनुमति लेकर इस मामले को 24 दिसंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए। वैभव पांडे के अलावा 51 याचिकाएं वार्ड आरक्षण को लेकर दाखिल की जा चुकी हैं। फिलहाल अधिवक्ताओं का यह मानना है कि सभी याचिकाएं एक ही जैसे मुद्दों की आपत्तियों पर हैं। इसलिए इसको एक साथ ही सुना जा रहा है।

डेडीकेशन कमीशन बनाने की मांग

इससे पहले आज शुरू हुई सुनवाई में सबसे पहले याचिकाकर्ता की वकील एलपी मिश्रा ने अपना पक्ष रखना शुरू किया। वकील ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण जो किया गया है वह राजनीतिक रिपोर्ट के आधार पर तैयार की गई है। एक डेडीकेशन कमीशन बनाया जाए जो आरक्षण को लेकर फैसला करे। मौजूदा आरक्षण प्रणाली से पिछड़ा वर्ग के साथ न्याय नहीं हो रहा है। याचिकाकर्ता की वकील ने सुरेश महाजन बनाम मध्य प्रदेश सरकार-2021 केस में सुप्रीम कोर्ट का आदेश विस्तार से पढ़कर जज के सामने सुनाया। जज ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को पढ़ने के बाद आगे की सुनवाई शुरू की। डेडीकेटेड आयोग पर सरकारी वकील ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उनका रैपिड सर्वे डेडीकेटेड आयोग द्वारा किए गए ट्रिपल टेस्ट जैसा ही है। याचिकाकर्ता के पक्ष पर सरकारी वकील ने कहा कि महिला आरक्षण को होरिजेंटल आरक्षण बताया गया। फिर जज ने कहा इस इंडिविजुअल केस को अलग से सुना जाएगा, आज केवल ओबीसी रिजर्वेशन पर बात सुनी जाएगी।

महंगाई के मुद्दे पर क्यों चुप बैठी है भाजपा: हेमंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बीजेपी और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग अब महंगाई पर नहीं बोलते। 400 रुपए वाली गैस 1200 में और 5 रुपये का प्लेटफार्म टिकट 50 रुपये में मिल रहा है। रुपये के मुकाबले डॉलर का भाव आजादी के बाद सबसे उच्च स्तर पर है। आज रेलवे, आर्मी में नौकरी बंद हैं। अग्निवीर योजना लाकर इन्होंने चार साल में युवाओं को बेरोजगार करने का प्रबंध कर दिया। ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादातर लोग इन्हीं क्षेत्रों में नौकरी में जाते हैं, लेकिन इनके बारे में ये नहीं सोचते।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में शीतकालीन सत्र के समापन पर अपना वक्तव्य दिया। इस दौरान प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा के विधायक गैरहाजिर रहे। मुख्यमंत्री ने इसपर तंज करते हुए कहा कि इन्हें सच्ची और कड़वी बातें सुनने की आदत ही नहीं है। हो भी कैसे, जिन लोगों ने 20 वर्षों तक मखमल पर समय गुजारा है, जिन्होंने कभी गरीबी, मुफलिसी की मार नहीं झेली, वे उनके हक की बात कैसे सुन सकते हैं।

झारखंड सरकार की नियोजन नीति के कोर्ट से खारिज होने का ठिकरा भी मुख्यमंत्री ने भाजपा पर फोड़ा। उन्होंने कहा कि नियोजन नीति झारखंडियों के हित में बनाई थी। इस नीति में आदिवासी, दलित और ओबीसी के हितों की रक्षा थी। भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश हांसदा और बाकी यूपी-बिहार के 19 लोगों ने इसके खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर कर दी। क्या इस राज्य में मूलवासी-आदिवासी को यहां नौकरी का अधिकार नहीं? सोरेन ने कहा कि राज्य में 20 साल के बाद वातावरण में बदलाव हो रहा है। हमने कई नीतियां बनाई। कई उद्योग शुरू हुए। हमारी नीति से बड़े बड़े उद्योग घराने खुश थे। हमसे बात हो रही थी उद्योग लगाने की। इन्हें यह नहीं पच रहा है कि एक आदिवासी नौजवान के नेतृत्व में सरकार काम कर रही है। ये भय का वातावरण तैयार किये हुए हैं, लेकिन सरकार मजबूती के साथ खड़ी है। केंद्र पर झारखंड की हकमारी का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि झारखंड की रॉयल्टी के करोड़ों रुपये का बकाया है। जब मांगते हैं तो कोई जवाब नहीं मिलता। जीएसटी के 5000 करोड़ बकाया है, जो नहीं मिल रहा है।

भट्ठा चिमनी के नीचे दबकर 8 मजदूरों की मौत से छाया मातम

» पीएम राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो लाख, घायलों को मिलेगी 50 हजार की सहायता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण में ईंट-भट्ठे की चिमनी गिरने से बड़ा हादसा हो गया। इसमें अब तक 8 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं, जबकि कई लोग घायल भी हैं। देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। वहीं एसडीआरएफ की टीम अभी भी कार्रवाई में जुटी हुई है। जिले के डीएम ने मामले में जांच के आदेश दे दिए हैं। इस दर्दनाक हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दुख जताया है। हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों और घायलों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से आर्थिक मदद का ऐलान किया।

पीएमओ ने ट्वीट में बताया कि दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की मौत से प्रधानमंत्री बेहद दुखी हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। भीषण हादसा रामगढ़वा थाना क्षेत्र में शुक्रवार की शाम को हुआ जब एक ईंट भट्ठे की चिमनी गिर गई, जिसमें मलबे से 8 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। कुछ लोगों के अभी भी मलवे में दबे होने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

'अभी रामसेतु के अस्तित्व से है इनकार कल भगवान राम पर भी उठाएंगे सवाल'

» शिवसेना नेता संजय राउत ने भाजपा पर बोला बड़ा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के रामसेतु के पुख्ता सबूत नहीं हैं। वाले बयान पर शिवसेना के ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने बीजेपी पर जोरदार हमला किया। जितेंद्र सिंह ने संसद में कहा था कि रामसेतु पर कुछ कहने जाएं तो इसमें हमारी कुछ सीमाएं हैं। यह करीब 18 हजार साल पुराने इतिहास को खंगालने की बात है। इस पुल की लंबाई 56 किलोमीटर है। यहां के अवशेष एक तरह की श्रंखला में तो दिखाई देते हैं, लेकिन इसके रामसेतु होने के पुख्ता तौर पर सबूत नहीं हैं।

इस पर आज संजय राउत ने कहा कि बीजेपी ने रामसेतु का प्रचार तो खूब किया था। अब इसके अस्तित्व से इनकार कर रहे हैं। भविष्य में रामायण को बता देंगे कि यह किंवदंती है। श्रीराम के अस्तित्व से इनकार कर देंगे। इसके अलावा संजय राउत ने कथित नागपुर एनआईटी जमीन घोटाले में सीएम एकनाथ शिंदे के घिरने पर कहा कि यह तो अभी शिंदे-फडणवीस सरकार के भ्रष्टाचार की बोहनी है। 110 करोड़ रुपए को पसंदीदा बिल्डरों में बांटा गया है। गरीबों को घर तक नहीं दिया गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।